खबर संक्षेप

पेट्रोल पंप पर धोखाधड़ी का आरोप

सतना। शहर के चौरसिया पेट्रोल पंप पर पेट्रोल कम देने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। दरअसल,एक ग्राहक को गाड़ी में पेट्रोल डलवाने के बाद मात्रा कम होने की आशंका हुई। शक गहराने पर उसने मैकेनिक की मदद से अपनी गाड़ी की टंकी से वापस पेट्रोल निकलवाया। जब नाप की गई तो हर कोई दंग रह गया, 250 का पेट्रोल डलवाने पर टंकी से सिर्फ 150 का ही तेल निकला। इस घटना के बाद पेट्रोल पंप पर चोरी को लेकर ग्राहकों में भारी आक्रोश है।

जीआरपी ने यात्रियों को 1930 हेल्प लाइन की दी जानकारी

मैहर। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में जीआरपी प्रभारी शिव प्रसाद गौतम एवं समस्त स्टाफ द्वारा मैहर रेलवे स्टेशन परिसर में साइबर अपराधों से बचाव के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान बाहर से आए दर्शनार्थियों एवं यात्रियों को मोबाइल फोन से होने वाले फ्रॉड तथा अन्य साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया।

तिघरा मोड़ के पास पलटा तेज रफ्तार ट्रक, मची अफरा-तफरी; बाल-बाल बचे लोग

सतना। जिले के तिघरा मोड़ के पास आज एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते बचा। यहां एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। ट्रक के पलटते ही मौके पर जोरदार आवाज हुई,जिससे आस-पास के इलाके में हड़कंप मच गया। हादसे को देख स्थानीय लोगों और राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। गनीमत रही कि इस घटना में कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई।

उप मुख्यमंत्री ने विधि विधान से की मां शारदा देवी की पूजा अर्चना

मैहर। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल मैहर पहुंचकर उन्होंने मां शारदा देवी के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। दर्शन-पूजन के उपरांत उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल मैहर से कटनी के लिए प्रस्थान करेंगे। इस दौरान मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी,पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वैश्य महासम्मेलन के जिला अध्यक्ष नियुक्त हुए नितिन ताम्रकार

मैहर। वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल ने व्यापारी कल्याण संघ मैहर के अध्यक्ष नितिन ताम्रकार को बड़ी सामाजिक जिम्मेवारी सौंपते हुए जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्ति की है। उक्त संघ ने नितिन ताम्रकार से अपेक्षा रखते हुए नियुक्ति की है कि आप सदैव समाज हित के कार्यों में अग्रणी भूमिका का निर्वाह करेंगे। नितिन ताम्रकार की इस नियुक्ति से समाज संगठित होगा साथ ही समाज को एक नई दिशा भी मिलेगी। नितिन ताम्रकार की तामम सामाजिक कार्यों ने बढ़चढ़ कर हिस्सेदारी रहती है। समाज के तमाम ज्येष्ठ श्रेष्ठ बुद्धजीवियों ने नितिन ताम्रकार को बधाई देते हुए शुभकामनाएं संप्रेषित की है।

महेंद्र त्रिपाठी मैहर जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष मनोनीत

मैहर। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की स्वीकृति के बाद मैहर जिला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। इस नई सूची के अनुसार,क्षेत्र के सक्रिय नेता महेंद्र त्रिपाठी (पप्पू भैया) को जिला कांग्रेस कमेटी का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अपनी इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त करते हुए नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष महेंद्र त्रिपाठी ने कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और स्थानीय पदाधिकारियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है।

कुल मतदानः1, 875 पंजीकृत मतदाताओं में से 1, 552 अधिवक्ताओं ने किया अपने मताधिकार का प्रयोग; 5 मत हुए निरस्त

जिला अधिवक्ता संघ सतना चुनावः सुनील शर्मा फिर चुने गए अध्यक्ष, प्रदीप पांडेय को 123 मतों से हराया

कुल 45 उम्मीदवार थे मैदान में, अध्यक्ष पद के लिए था अष्टकोणीय मुकाबला

सतना। जिला अधिवक्ता संघ के द्विवार्षिक चुनाव(सत्र 2026-28) में वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील शर्मा ने एक बार फिर अपनी मजबूत पकड़ साबित करते हुए अध्यक्ष पद पर शानदार जीत दर्ज की है। मतगणना के पहले दौर से ही उन्होंने जो बढ़त बनाई,वह अंतिम दौर तक कायम रही। शनिवार सुबह 10बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुई मतगणना के दौरान न्यायालय परिसर में पूरे दिन गहमागहमी का माहौल रहा और परिणाम घोषित होते ही समर्थकों में जश्न का माहौल शुरू हो गया। सुनील शर्मा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी प्रदीप कुमार पांडेय को शिकस्त देकर दूसरी बार अध्यक्ष बनने का गौरव हासिल किया है।

दौर-दर-दौर ऐसे बढ़ता गया जीत का ग्राफः शनिवार सुबह जब मतगणना की शुरुआत हुई,तो पहले ही राउंड से सुनील शर्मा ने बढ़त बनाते हुए अपने समर्थकों में उत्साह भर दिया।

प्रथम चरणः सुनील शर्मा को 135 मत मिले,जबकि प्रदीप कुमार पांडेय को 105 मत प्राप्त हुए।

द्वितीय चरणः सुनील शर्मा ने अपनी बढ़त को और मजबूत करते हुए 159 वोट हासिल किए, जबकि प्रदीप कुमार पांडेय को 96 वोट मिले। दो चरणों की गणना के बाद सुनील शर्मा के खाते में 294 वोट हो गए थे,जबकि प्रदीप कुमार पांडेय को 201 वोट मिले और दोनों के बीच 93 मतों का अंतर हो गया।

तीसरा व अंतिम चरणः अंतिम दौर की मतगणना के बाद सुनील शर्मा को कुल 428 मत प्राप्त हुए, वहीं प्रतिद्वंद्वी प्रदीप कुमार पांडेय को 305 वोट मिले। इस तरह सुनील शर्मा ने प्रदीप कुमार पांडेय को 123 मतों से मात दी।

अध्यक्ष पद के अन्य प्रत्याशियों को मिले मत

राजबहादुर सिंह बैसः 194 मत
रमेश कुमार पाठकः 186 मत
रत्नेश श्रीवास्तवः 175 मत
पुष्पराज सिंहः 133 मत
अमृतलाल शुक्लाः 121 मत
ददन सिंह परिहारः 05 मत।

(नोटः मतगणना के दौरान 5 मत निरस्त किए गए)

45 उम्मीदवार थे चुनावी मैदान में

इस द्विवार्षिक निर्वाचन में कुल 1,875 पंजीकृत मतदाता थे,जिनमें से 1,552 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सह-सचिव, महिला आरक्षित कोषाध्यक्ष, ग्रंथपाल तथा कार्यकारिणी सदस्य के विभिन्न पदों के लिए कुल 45 प्रत्याशी मैदान में थे। अध्यक्ष पद के लिए मुख्य रूप से अमृतलाल शुक्ला,ददन सिंह परिहार, प्रदीप कुमार पांडेय, पुष्पराज सिंह, राजबहादुर सिंह बैस ,रमेश कुमार पाठक, रत्नेश श्रीवास्तव और सुनील शर्मा के बीच सीधा व कड़ा मुकाबला देखा गया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी मिश्रा ने जताया आभार

जिला अधिवक्ता संघ के वार्षिक चुनाव शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी शासकीय अभिभाषक/लोक अभियोजक,सतना रमेश मिश्रा ने प्रक्रिया को सफल बनाने वाले सभी पक्षों का आभार व्यक्त किया है और नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी है।

कुएं में गिरे बैल को निकालने उतरे 3 युवकों की दर्दनाक मौत

जहरीली गैस की आशंका

हादसे से गांव में पसरा मातम, कुआं गहरा और पुराना

मैहर। मध्य प्रदेश के मैहर जिले में शुक्रवार की शाम एक दर्दनाक हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। एक साथ तीन लोगों की जान जाने से पूरे गांव में मातम का माहौल है। यह हादसा तब हुआ कुएं में गिरे बैल को निकालने का प्रयास किया जा रहा था। तीनों युवक एक-एक कर कुएं में उतरे थे,लेकिन बारी-बारी से काल के गाल में समा गए। इनके अलावा एक अन्य युवक की हालत गंभीर है और उसे सतना रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार,खरमसेड़ा गांव में शुक्रवार रात करीब आठ बजे रामनिवास कुशवाहा के कुएं में एक बैल गिर गया था जिसकी मौत हो गई थी। मृत बैल को निकालने के लिए मौके पर लोग पहुंच गए और फिर एक गांव का युवक कुएं उतरा और बैल के शव को रस्सी से बांधकर बाहर निकालने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि जैसे ही पहला युवक कुएं में नीचे पहुंचा वह अचानक अचेत होकर गिर पड़ा।

जो बचाने उतरा,उसकी चली गई जान

नीचे गिरे युवक को बचाने के लिए दूसरा युवक उतरा,लेकिन वह भी कुछ ही देर में बेहोश हो गया। इसके बाद तीसरा युवक भी नीचे गया और उसकी भी हालत वही हो गई। शुरुआत में ग्रामीणों को समझ ही नहीं आया कि आखिर कुएं के अंदर क्या हो रहा है। कुछ देर तक जब कोई भी युवक बाहर नहीं आया तब लोगों को अनहोनी की आशंका हुई।

इनकी हुई मृत्यु

ग्रामीणों ने नीचे झांककर देखा तो तीनों युवक पानी में पड़े दिखाई दिए आनन फानन उन्हें बचाने के लिए रामचंद्र यादव भी कुएं में उतरे,लेकिन उनकी भी तबीयत बिगड़ गई। बाद में ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद सभी को बाहर निकाला। घटना में कृष्ण कुमार यादव (24) पिता रामप्रसाद यादव,वीरेंद्र यादव (33) पिता स्वर्गीय जगदीश यादव और राहुल यादव (34)पिता मोतीलाल यादव की मौत हो गई,वहीं, रामचंद्र यादव गंभीर की तबीयत खराब है।

पीएम के बाद होगा घटना का खुलासा

इस घटना के बाद मौत के कारणों को लेकर अलग-अलग चर्चाएं शुरू हो गई हैं,ग्रामीणों का कहना है कि कुएं में बिजली की तार दिखाई दी है,जिससे करंट उतरने की आशंका भी जताई जा रही है। उनका मानना है कि यदि कुएं के पानी में बिजली का प्रवाह था तो उसी की चपेट में आने से यह हादसा हो सकता है। दूसरी ओर प्रारंभिक आशंका यह भी है कि कुआं काफी गहरा होने और लंबे समय से उसके अंदर जहरीली गैस जमा होने के कारण युवकों का दम घुट गया। विशेषज्ञों के अनुसार,पुराने और गहरे कुओं में ऑक्सीजन की कमी तथा जहरीली गैसों की मौजूदगी कई बार जानलेवा साबित होती है,ऐसे मामलों में बिना सुरक्षा उपकरणों के कुएं में उतरना बेहद खतरनाक होता है।

कुएं में मीथेन गैस रिसाव से हुआ हादसा

शनिवार को सतना सांसद गणेश सिंह अमरपाटन पहुंचे। उन्होंने अस्पताल पहुंचकर घायल का हालचाल जाना और अधिकारियों से पूरे मामले की जानकारी ली। इसके बाद मीडिया से चर्चा में सांसद ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कुएं में मीथेन गैस का रिसाव हो रहा था। सांसद गणेश सिंह ने घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए पीड़ति परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने प्रशासन को पूरे मामले की गंभीरता से जांच कराने तथा मृतकों के परिजनों को शासन की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे खामखेड़ा गांव में शोक का माहौल है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और कुएं में गैस रिसाव के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

अवैध शराब तस्करों के विरुद्ध पुलिस की कार्यवाही

90 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब सहित 3 आरोपी गिरफ्तार

मैहर। पुलिस अधीक्षक मैहर अवधेश प्रताप सिंह के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर चंचल नागर व नगर पुलिस अधीक्षक महेंद्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अनिमेष द्विवेदी और उनकी टीम द्वारा शराब तस्करों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए उनके कब्जे से 90लीटर अवैध शराब और अवैध परिवहन में प्रयुक्त वाहन जप्त किया गया।

प्राप्त जानकारी में बताया गया है कि 3 जुलाई 2026 को थाना कोतवाली पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि कटनी तरफ से एक काले रंग की स्कार्पियो कार मैहर तरफ अबैध शराब लेकर आ रही है जिसकी सूचना की तस्दीक हेतु बेरमा मंडी के पास एनएच. 30 रोड के पास मैहर पुलिस टीम के द्वारा रेड कार्रवाई करते हुए स्कार्पियो वाहन क्र एमपी 19 जेडटी 4630 को रोक कर चेक किया गया जो स्कार्पियो वाहन के पीछे 10 कार्टून में अग्रेजी गोवा शराब कुल 90 लीटर अवैध शराब कुल कीमती 67500 रुपए की जप्त कि गई एवं तीनो आरोपियों गजेन्द्र सिह उम्र 30 वर्ष निवासी बृन्दावन कालोनी बङगैया की गली थाना कोतवाली जिला मैहर (मप्र.), कंचन उर्फ कल्पना चौरसिया पति आशीष चौरसिया उम्र 32 वर्ष निवासी बृन्दावन कालोनी बङगैया की गली थाना कोतवाली जिला मैहर (मप्र.),सचिन पटेल पिता गणेश प्रसाद पटेल उम्र 22 वर्ष निवासी उमरी पैला थाना कोतवाली जिला मैहर(म.प्र.) के विरुद्ध अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट कायम कर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। आरोपियों के पास से 10 कार्टून में कुल 90 लीटर अंग्रेजी शराब कीमती 67500 रुपए,काले रंग की स्कार्पियो क्र.एमपी 19 जेडटी 4630 कीमती 16लाख रुपए जप्त किया गया। इस कार्य में निरीक्षक अनिमेष द्विवेदी,उनि संतोष उलाङी प्रधान आरक्षक जय बागरी,विपिन सोंधिया आरक्षक राजेंद्र सिंह,संजय यादव,सोमेश परिहार,अनूप तिवारी, म.आर.रानू त्रिपाठी सराहनीय भूमिका रही।

नशीली दवाओं के तस्कर गिरफ्तार

सतना। जिले में नशे के सौदागरों के खिलाफ सिटी कोतवाली पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने नशीली दवाइयों के कुख्यात सप्लायर 'बंटा' और उसकी पत्नी सुनीता अग्रवाल को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया है। मुखबिर की सूचना पर सिटी कोतवाली टीआई रावेंद्र द्विवेदी की अगुवाई में पुलिस टीम ने यह छापेमारी की। तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली कफ सिरप और नशीली टैबलेट्स बरामद की गई हैं। पुलिस दोनों आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ कर रही है ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाया जा सके।

रीवा, सीधी, सतना बाण सागर मल्टी विलेज जल प्रदाय योजना का काम 2027 में पूरा होगा

सतना। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने शनिवार को मैहर जिले के रामनगर ब्लॉक में झिन्ना पहुंचकर रीवा बाणसागर और सीधी बाणसागर मल्टी विलेज जल प्रदाय योजना का निरीक्षण किया। उन्होंने रीवा बाण सागर मल्टी विलेज जल प्रदाय योजना के इंटेक पंप हाउस तथा सीधी बाणसागर मल्टी विलेज जल प्रदाय योजना के इंटेक पंप हाउस का निरीक्षण कर अधिकारियों से तकनीकी जानकारी ली। जल निगम के अधिकारियों ने बताया कि तीनों बहु उद्देशीय परियोजना रीवा,सीधी,सतना बाणसागर मल्टी विलेज जल प्रदाय योजना का काम मार्च 2027 में पूरा कर लिया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने पूरी गुणवत्ता के साथ परियोजना कार्य तय समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रीवा सतना और सीधी जिले के लिए हर घर नल का जल पहुंचाने की ये महत्वपूर्ण योजना है। ताकि नागरिकों और ग्रामीणों को उनके घर में नल के माध्यम से शुद्ध जल मुहैया कराया जा सके। उन्होंने कहा कि लोगो को शुद्ध पेयजल मिलेगा तो बीमारियां भी बहुत कम हो जाएगी। इस मौके पर जिला पंचायत सतना के वन समिति के सभापति हरीश कांत त्रिपाठी,प्रतिनिधि राजेश पांडे,एस डी एम रामनगर एस पी मिश्रा,जलनिगम सीधी के महा प्रबंधक नीरव अग्रवाल सहित जल निगम के अधिकारी और एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान और बेहतर संवाद के लिए शुरू हुई नई पहल

सांसद गणेश सिंह ने किया 'सांसद सुविधा केंद्र' का शुभारंभ

सतना। संसदीय क्षेत्र की जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान और जनप्रतिनिधि से सीधे संवाद को सशक्त बनाने की दिशा में शनिवार को एक महत्वपूर्ण पहल की गई। सांसद गणेश सिंह ने कलेक्ट्रेट के समीप धवारी स्थित इनक्यूबेशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में रिमोट का बटन दबाकर सांसद सुविधा केंद्र के ऑनलाइन पोर्टल एवं हेल्पलाइन नंबर 9425172508 का शुभारंभ किया। सांसद सुविधा केंद्र के माध्यम से क्षेत्रवासी अपनी समस्याएं,शिकायतें एवं सुझाव आसानी से दर्ज करा सकेंगे। प्राप्त आवेदनों की नियमित मॉनिटरिंग कर उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा,जिससे आमजन को विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। इस अवसर पर सांसद गणेश सिंह ने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सांसद सुविधा केंद्र आमजन और जनप्रतिनिधि के बीच संवाद का एक सशक्त माध्यम बनेगा तथा पारदर्शी एवं जवाबदेह व्यवस्था स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, विंध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सतीश सुखेजा,पूर्व अध्यक्ष विवेक अग्रवाल,एकेएस यूनिवर्सिटी के संस्थापक अनंत सोनी,रविंद्र सिंह सेठी,अपर कलेक्टर विकास सिंह,मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह सहित जनप्रतिनिधि,प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कपड़ा व्यापारी के पुत्र के अपहरण एवं फिरौती कांड का खुलासा

तीनों आरोपी गिरफ्तार अपहरण में प्रयुक्त 1 देशी पिस्टल, 2 देशी कट्टे, 1 जिंदा राउंड एवं 2 मोटर साइकिल बरामद

सोशल मीडिया पर महंगे मोबाइल व अमीरी का प्रदर्शन बना अपहरण की वजह

पवई। थाना पवई क्षेत्र में कपड़ा व्यापारी के पुत्र के अपहरण एवं फिरौती मांगने की सनसनीखेज घटना का पन्ना पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 देशी पिस्टल, 02 देशी कट्टे, 01 जिंदा राउंड तथा 02 मोटरसाइकिल भी बरामद की हैं। दिनांक 27 जून 2026 को पवई के प्रतिष्ठित कपड़ा व्यापारी श्री राजेश कुमार डेंगरे द्वारा थाना पवई में सूचना दी गई कि उनके 19 वर्षीय पुत्र अंशुल उर्फ कान्हा डेंगरे का अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अपहरण कर लिया गया है तथा उसकी रिहाई के लिए 10 लाख रुपये की फिरौती की मांग की जा रही है। जिसे पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमति निवेदिता नायडू के निर्देशन मे थाना प्रभारी पवई निरीक्षक सुशील कुमार अहिरवार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृत युवक को सकुशल दस्तयाब कर उसके परिजनों को सुरक्षित सुपुर्द कर दिया था। हालांकि घटना के आरोपी उस समय फरार होने में सफल रहे थे। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती वंदना सिंह तथा एसडीओपी पवई श्रीमती भावना दांगी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक सुशील कुमार अहिरवार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर आरोपियों कीलगातार तलाश की गई। तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर सूचना एवं सतत पतारसी के आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से पूछताछ में आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि अपहृत युवक कान्हा उर्फ अंशुल डेंगरे सोशल मीडिया पर महंगे मोबाइल एवं अपनी समृद्ध जीवनशैली का प्रदर्शन करता था। इसी कारण उसे आर्थिक रूप से संपन्न समझकर अपहरण की योजना बनाई गई और उसके परिजनों से फिरौती की मांग की गई। घटना के दौरान भयवश परिजनों द्वारा आरोपी राजकमल रजक के बैंक खाते में 1,48,000 की राशि भेजी गई थी। पन्ना पुलिस एवं साइबर सेल द्वारा तत्परता दिखाते हुए एनसीआरपी (छब्त्च्) पोर्टल के माध्यम से उक्त राशि पर तत्काल होल्ड लगवा दिया गया, जिससे आरोपी राशि का आहरण नहीं कर सके। वर्तमान में पूरी राशि संबंधित खाते में सुरक्षित है, जिसे माननीय न्यायालय के आदेश उपरांत फरियादी श्री राजेश कुमार डेंगरे को वापस कराया जा सकेगा। गिरफ्तारी के उपरांत तीनों आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में उप जेल पवई भेज दिया गया।

जप्तीः- 01 देशी पिस्टल, 02 देशी कट्टे, 01 जिंदा राउंड तथा घटना मे प्रयुक्त 02 मोटरसाइकिल भी बरामद की हैं। फिरौती की 1.48 लाख की राशि आरोपी के खाता मे होल्ड।

गिरफ्तार आरोपी - 01 राजकमल रजक पिता राजू रजक, उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम सिमरा कला, थाना पवई। 02 राजकुमार पिता हल्के पाल, उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम सिमरा कला, थाना पवई। 03 शिवेंद्र सिंह पिता देवसिंह, उम्र 18 वर्ष, निवासी ग्राम सिमरा कला, थाना पवई।

उल्लेखनीय भूमिका- उक्त संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी पवई निरीक्षक सुशील कुमार अहिरवार, उप निरीक्षक सरिता तिवारी, सहायक उप निरीक्षक राम सजीवन तिवारी, प्रधान आरक्षक नीरज रैकवार, प्रधान आरक्षक विनोद कुमार, प्रधान आरक्षक बुद्ध सिंह यादव, आरक्षक राहुल अहिरवार, आरक्षक रमाकांत कुर्मी, आरक्षक राकेश डुडवे तथा साइबर सेल पन्ना की संपूर्ण टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खबर संक्षेप

महाराज सागर तालाब का जीर्णोद्धार कार्य अंतिम चरण में

पन्ना। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विगत दिवस पन्ना जिले में प्राचीन एवं ऐतिहासिक जल स्रोतों

के संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य संचालित हुआ। लगभग तीन माह से अधिक समय तक संचालित इस महत्वाकांक्षी महाअभियान में स्थानीय नागरिकों सहित जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा अन्य सामाजिक संगठनों द्वारा महत्वपूर्ण योगदान देकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया गया। इस क्रम में गत 25 मई से निरंतर रूप से पन्ना नगर के महाराज सागर तालाब को स्वच्छ बनाने सहित सौंदर्यीकरण तथा नगरवासियों के लिए महत्वपूर्ण स्थल के रूप में विकसित करने व पर्यटन की दृष्टि से भी संवारने की मुहिम शुरू की गई थी। 40 दिवस में भागीरथी प्रयासों के बदौलत तालाब को नया स्वरूप प्रदान किया गया। यहां शेष आवश्यक कार्य भी पूर्णता की ओर हैं। जिला प्रशासन द्वारा महाराज सागर तालाब के कायाकल्प अभियान में नियमित रूप से हरसंभव मदद और सहायता उपलब्ध कराई गई। कलेक्टर ऊषा परमार के मार्गदर्शन में समस्त विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों ने भी प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग किया। साथ ही सामूहिक श्रमदान गतिविधियों में भाग लेकर अपना उत्तरदायित्व निभाया। इसके अतिरिक्त जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी के सराहनीय प्रयासों की बदौलत भी तालाब के जीर्णोद्धार कार्य में प्रत्येक स्तर पर आवश्यक सहयोग मिला। जिला कलेक्टर द्वारा निरंतर प्रति दिवस तालाब परिसर में संचालित कार्यों का विभागीय अधिकारियों के साथ भ्रमण कर निरीक्षण किया गया। इसके अलावा आवश्यक समन्वय की भूमिका भी निभाई। इसकी बदौलत अल्प समय

में तालाब परिसर में घाट व सीढ़ियों की मरम्मत सहित आकर्षक पेंटिंग्स, बैठक व्यवस्था व रेलिंग सहित अन्य महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कलेक्टर श्रीमती परमार ने शुक्रवार को भी तालाब परिसर पहुंचकर पूर्ण कार्यों की जानकारी ली व शेष कार्यों को अविलंब पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जानकारी दी कि शनिवार, 4 जुलाई को अपरान्ह 3 बजे महाराज सागर तालाब परिसर में समापन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर विभिन्न गतिविधियां भी होंगी। आगामी समय में पौधरोपण सहित अन्य कार्य भी होंगे। आज वनमंडलाधिकारी उत्तर धीरेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा जिला कलेक्टर को सहयोग राशि का चेक भेंट किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी सहित एसडीएम संजय कुमार नागवंशी, पीओ डूडा शशिकपूर गढ़पाले, महाप्रबंधक जल जीवन मिशन शिवम सिन्हा, जिला परियोजना प्रबंधक आजीविका मिशन प्रमोद शुक्ला एवं सेवानिवृत्त परियोजना अधिकारी संजय सिंह परिहार भी उपस्थित रहे।

अमानगंज में दो अलग अलग मामले में अपराध दर्ज

अमानगंज। थाना क्षेत्र के कमताना गांव में पुरानी रंजिश को लेकर एक महिला के साथ गाली-गलौज, पथराव और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार द्रोपदी चौधरी की शिकायत पर आरोपी देशराज चौधरी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। वहीं, ग्राम महेवा में सड़क के पानी की निकासी को लेकर हुए विवाद में युवक कृष्णपाल सिंह राजपूत के साथ मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। शिकायत के अनुसार आरोपी वीरसिंह राजपूत ने ईंट से हमला कर उसे घायल कर दिया तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहली ही बारिश में जल भराव की स्थिति, वार्ड-15 में घरों के अंदर तक पहुंचा पानी

अंबेडकर पार्क से तहसील चौराहा बना तालाब

पवई। बारिश की पहली तेज बरसात ने ही नगर पालिका के दावों को पानी-पानी कर दिया। शुक्रवार को हुई बारिश के बाद वार्ड क्रमांक-15 का अंबेडकर पार्क से तहसील चौराहे तक का इलाका देखते ही देखते तालाब में बदल गया। सड़कें लबालब हो गईं, पानी घरों घुस गया और लोग अपनी गृहस्थी बचाने में जुट गए। जलभराव अधिक था कि दोपहिया और चारपहिया वाहन को निकलने मे परेशानी का सामना करना पड़ा।

पहली बारिश ने तैयारियों की पोल खोल दी-

मानसून से पहले नालियों की सफाई और बेहतर जल निकासी के दावे किए गए थे, लेकिन पहली ही बारिश में वे कागजों तक सीमित नजर आए। अंबेडकर पार्क से तहसील चौराहे तक सड़क पर दो फीट तक पानी भर गया। लोगों के घरों में नालियों का गंदा पानी घुसने से घरेलू सामान खराब हो गया।

-रास्ते बंद, लोग घरों में कैद- जलभराव के कारण पूरे इलाके में आवागमन बाधित हो गया। कई वाहन बीच रास्ते में बंद हो गए, जबकि पैदल निकलना भी लोगों के लिए जोखिम भरा साबित हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल बारिश में यही हाल होता है, लेकिन स्थायी समाधान की ओर कोई कदम नहीं उठाया जाता।

कचरे से जाम नालियां बनीं बड़ी वजह- रहवासियों का आरोप है कि समय पर नालियों की सफाई नहीं होने से उनमें प्लास्टिक और कचरा भर गया। पानी की निकासी बंद होते ही पूरी सड़क तालाब बन गई और गंदा पानी घरों में घुस गया। लोगों का कहना है कि यदि अभी यह स्थिति है तो लगातार बारिश होने पर हालात और भयावह हो सकते हैं।

रहवासियों का सवाल,आखिर कब मिलेगी राहत?- क्षेत्रवासियों ने नगर पालिका और प्रशासन से तत्काल जल निकासी की व्यवस्था कराने तथा वार्ड में स्थायी ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने की मांग की है। उनका कहना है कि हर वर्ष जलभराव की समस्या झेलनी पड़ती है, लेकिन जिम्मेदार विभाग केवल आश्वासन देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं।

केन बेतवा लिंक परियोजना जहां डेम बनने के बाद केन नदी के हालात को लेकर सैकड़ों गावों का भविष्य अंधेरे में

बाढ का पानी क्या बेतवा नदी में नहीं आता जो केन नदी के बाढ के पानी को लेकर ढोढन डेम का निर्माण केन बेतवा लिंक परियोजना को लेकर उचित माना जा रहा

पन्ना जिले में पन्ना टाइगर रिजर्व जो एक पहचान बन चुका है वहीं टाइगर से हजारों लोगों का रोजगार प्रतिदिन जुड़ा हुआ है साथ ही पर्यटन को लेकर सैकड़ों रिसॉट भी बंद होने की कगार पर वहीं केन नदी के पन्ना हो या छतरपुर अगल-बगल के सैकड़ों गांव जो उेम के नीचे बहने वाली केन नदी को लेकर अंधेरे के हालात में भविष्य माना जा रहा क्योंकि जहां वर्तमान में ही केन नदी में बारिस न होने से अब धारा प्रवाह नहीं भविष्य में हालात क्या होंगे वहीं बारिस नहीं हो रही तो डेम क्या करेगा साथ ही सूखे से निपटने को लेकर बुन्देलखण्ड में जहां नदी जोड़ो परियोजना से लाभ बतायाजा रहा है जबकि प्रकृति व वर्षा अगर नहीं साथ देती तो डेम क्या करेगा कई हजारों की संख्या में जो पेड़ काटकर सूखे का आमंत्रण दे रहे है दूसरी तरफ खुसहाली की बात भविष्य को लेकर संकट के हालात पन्ना। केन बेतवा लिंक परियोजना भले ही वरदान बताई जा रही है पर वास्तविक हकीकत कहीं न कहीं केन बेतवा लिंक परियोजना पन्ना जिले के तो अभी भी संकट के हालात को लेकर मानी जा रही है भले ही दावा किया जाये कि डेम बनने से जिले में सिंचाई सुविधा बढेंगी पेयजल व्यवस्था में सुधार आयेगा पर वास्तविकता तो यह है कि कई हजार पेड़ों को काटा जा रहा है पन्ना टाइगर रिजर्व का अस्तित्व खत्म हो रहा बाघ जो आज पन्ना टाइगर रिजर्व में कहीं न कहीं पर्यटकों का आकर्षण का केन्द्र हे भविष्य बाघों के रहवास को लेकर चिंता का विषय जब बाघ ही नहीं रहें तो पर्यटन का व्यवसाय भी समाप्त होगा वहीं केन नदी आज जो धारा प्रवाह नहीं रही भविष्य में इसके हालात क्या होंगे जिस तरह से बाढ के पानी का आक्कलन करके केन नदी में ढोढन गांव में उेम बनाया जा रहा है क्या बेतवा नदी जो केन नदी से बड़ी नहीं दी है क्या वहां बाढ नहीं आती तो क्या बेतवा नदी में डेम नहीं बनाया जा सकता था यहां केन नदी में जो डेम बनाना उचित माना गया। दूसरी तरफ पन्ना टाइगर रिजर्व खत्म किया जा रहा वहीं केन नदी के बसे अगल-बगल सैकड़ों गांव जो पन्ना जिले से लेकर बांदा जिले की सीमा तक आते है इन गांवों का भविष्य अंधेरे के हालात संकट को लेकर तय होंगे क्योंकि जहां केन नदी का पानी आज ही पन्ना जिले के लिये उपयोग के लिये पर्याप्त नहीं वहीं बेतवा नदी में पानी ले जाना कहां तक लाजमी। सिंचाई सुविधा की बात करें तो पन्ना के लिये जो बयां किया जा रहा है सिंचाई सुविधा मिलेगी जो नीचे से ऊपर की ओर सूत्रों की मानें तो लगभग 500-600 फिट के लगभग उंचाई तय करके पानी सिंचाई का कैसे आयेगा यह भी एक बड़ा सवाल है। वहीं पन्ना जिले को भले ही वरदान बताया जाये पर केन बेतवा लिंक परियोजना से पन्ना का पर्यटन टाइगर रिजर्व के कारण जो जाना जाता था समाप्त होने को लेकर माना जा रहा है वहीं नदी के नीचे अगल-बगल जो सैकड़ों गांव बसे है इनका जीवन भी संकट भरे हालात को लेकर जाना जायेगा। वहीं जिन गांवों को आज हटाया गया इनका जीवन तो स्वतः साक्षी है किस तरह से लोग आज तबाही के मंजर को लेकर हालात से जूझ रहे है। केनबेतवा लिंक परियोजना पन्ना जिले के लिये कहीं न कहीं लाभकारी भले बताई जा रही है परयह वास्तविकता कोसों दूर जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी जिले के लिये चर्चा का विषय जरूर।

दक्षिण पन्ना के शीतल मुक्तिधाम अभियान का शाह नगर एवं सलेहा वन परिक्षेत्रों में विस्तार

प्लास्टिक कचरे के विक्रय से प्राप्त राशि से होगा पौधारोपण, जन सहभागिता से विकसित होंगे हरित एवं छायादार मुक्तिधाम

पन्ना। वन महोत्सव के अवसर पर दक्षिण पन्ना वनमंडल द्वारा संचालित ष्शीतल मुक्तिधाम अभियानष के अंतर्गत विभिन्न मुक्तिधामों में छायादार एवं फलदार पौधों का पौधारोपण किया जा रहा है। इसी क्रम में सलेहा वन परिक्षेत्र के खभरी मुक्तिधाम तथा शाहनगर वन परिक्षेत्र के ग्राम महुआखेड़ा स्थित मुक्तिधाम में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। खभरी मुक्तिधाम में आयोजित कार्यक्रम में परिक्षेत्र अधिकारी जीतू सिंह बघेल, बछोन ग्राम पंचायत के सरपंच धर्मू चौधरी, ग्राम वन समिति अध्यक्ष महेंद्र सिंह, परिक्षेत्र सहायक देवेंद्रगिरि गोस्वामी, वनरक्षक महेंद्र कुमार अग्रहरी तथा स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। वहीं महुआखेड़ा में आयोजित कार्यक्रम में सरपंच ध्रुव सिंह, ग्राम वन समिति अध्यक्ष प्रदीप सिंह, उपाध्यक्ष श्रीमती सदारानी, उपवन क्षेत्रपाल राम प्रसाद पटेल, वनरक्षक रजनीश दुबे, सुरक्षा श्रमिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी शामिल हुए। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने अभियान की सराहना करते हुए इसे समाजोपयोगी एवं दूरगामी पहल बताया। महुआखेड़ा के सरपंच ध्रुव सिंह ने कहा कि मुक्तिधामों में लगाए जा रहे छायादार वृक्ष भविष्य में अंतिम संस्कार हेतु आने वाले लोगों को विशेषकर ग्रीष्म ऋतु में राहत प्रदान करेंगे तथा पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया। दक्षिण पन्ना वनमंडल द्वारा प्रारंभ किए गए ष्शीतल मुक्तिधाम अभियानष का उद्देश्य ऐसे मुक्तिधाम एवं शांति धामों को हरित एवं छायादार बनाना है, जहाँ वर्तमान में पर्याप्त वृक्ष नहीं होने के कारण विशेषकर गर्मियों में अंतिम संस्कार हेतु आने वाले लोगों को अत्यधिक गर्मी एवं असुविधा का सामना करना पड़ता है। तेजी से बढ़ने वाले उपयुक्त छायादार एवं फलदार वृक्षों का रोपण तथा उनका संरक्षण सुनिश्चित कर इन स्थलों को आने वाले वर्षों में अधिक सम्मानजनक, शांत एवं सुविधाजनक बनाया जाएगा। यह केवल वृक्षारोपण का अभियान नहीं, बल्कि समाज के प्रति सेवा, संवेदनशीलता और पर्यावरण संरक्षण का एक मानवीय प्रयास है, जिसका लाभ वर्षों तक हजारों लोगों को मिलेगा। अभियान के प्रथम चरण में इस वर्ष दक्षिण पन्ना वनमंडल के लगभग 10 मुक्तिधाम एवं शांति धामों का चयन किया गया है। प्रत्येक स्थल का चयन स्थानीय आवश्यकता, उपलब्ध भूमि, जनसहभागिता तथा न्यूनतम लागत जैसे व्यावहारिक पहलुओं को ध्यान में रखकर किया गया है। प्राप्त अनुभव, सामाजिक सहयोग एवं जनप्रतिसाद के आधार पर आगामी वर्ष इस अभियान का विस्तार करते हुए वनमंडल के सभी उपयुक्त मुक्तिधामों एवं शांति धामों को क्रमिक रूप से ष्शीतल मुक्तिधामष के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान की एक विशेष विशेषता यह है कि पौधारोपण हेतु आवश्यक धनराशि मुख्यतः वन विभाग द्वारा एकत्रित प्लास्टिक कचरे के विक्रय से प्राप्त राशि से उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही ग्राम वन समितियों, जनप्रतिनिधियों, स्थानीय नागरिकों एवं स्वयंसेवियों के सहयोग से पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन को सुनिश्चित किया जाएगा। इस प्रकार ष्शीतल मुक्तिधाम अभियान पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक अपशिष्ट के पुनः उपयोग, जनसहभागिता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का एक प्रेरणादायी मॉडल बनकर उभर रहा है।

नगर परिषद गुनौर कागज़ी दावों और धरातल की हकीकत के बीच फंसा विकास, बुनियादी सुविधाओं को तरसती जनता

तालाब सौंदर्यीकरण के नाम पर भ्रष्टाचार चरम पर, मुख्य मार्ग पर पसरा अंधेरा खोल रहा दावों की पोल

गुनौर।

नगर परिषद गुनौर इन दिनों विकास के बड़े-बड़े दावों और नागरिक सुविधाओं की बदहाली को लेकर तीखी चर्चाओं के केंद्र में है। चुनावी वादों और योजनाओं की लंबी-चौड़ी घोषणाओं के बीच अब नगरवासियों का सब्र जवाब देने लगा है। जनता का स्पष्ट कहना है कि नगर परिषद का काम सिर्फ योजनाओं के फीते काटना या कागज़ों पर विकास दिखाना नहीं, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारना भी है। लेकिन फिलहाल, गुनौर की जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए भी तरस रही है।

लाखों की रोशनी गायब, मुख्य मार्ग आज भी अंधेरे में डूबा'

नगर परिषद के दावों की हवा तब निकल जाती है जब रात के समय नगर के मुख्य मार्ग से गुजरना पड़ता है। करोड़ों की योजनाओं और स्ट्रीट लाइटों के बड़े-बड़े दावों के बावजूद गुनौर का मुख्य मार्ग आज भी अंधेरे के आगोश में डूबा रहता है। स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों का कहना है कि मुख्य मार्ग पर अंधेरा होने के कारण आए दिन दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा भी बढ़ता जा रहा है, लेकिन प्रशासन इस गंभीर समस्या को लेकर पूरी तरह लापरवाह बना हुआ है।

तालाब सौंदर्यीकरण विकास या भ्रष्टाचार का खेल?

नगर में चल रहे निर्माण कार्यों, विशेषकर 'तालाब सौंदर्यीकरण' को लेकर नागरिकों में भारी आक्रोश है। स्थानीय लोगों का सीधा आरोप है कि सौंदर्यीकरण के नाम पर केवल पैसों की बर्बादी की जा रही है और भ्रष्टाचार चरम पर है। तालाब के काम में घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग और वित्तीय अनियमितताओं की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। वार्डवासियों का कहना है कि सौंदर्यीकरण के नाम पर लाखों-करोड़ों रुपए का बजट ठिकाने लगा दिया गया, लेकिन तालाब की स्थिति सुधरने के बजाय और बदतर हो गई है। यह सीधे तौर पर जनता के टैक्स के पैसे का दुरुपयोग है, जिसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।ष

वार्डों में पसरीं समस्याएं, दावों की खोल रहीं पोल'

मुख्य मार्ग और तालाब के अलावा नगर के विभिन्न वार्डों की स्थिति भी बदहाल है। सफाई व्यवस्था का ठप होना, पेयजल की अनियमित आपूर्ति, जर्जर सड़कें, बजबजाती नालियां और कचरा प्रबंधन का अभावकृये वो बुनियादी मुद्दे हैं जिनसे आम नागरिक रोज़ दो-चार हो रहा है। विकास का असली पैमाना फाइलों में दर्ज आंकड़े नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत होनी चाहिए।

फैसले के मूड में जनता, दावे नहीं, काम दिखे

राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो किसी भी स्थानीय निकाय का भविष्य और उसकी साख सीधे तौर पर जनता के विश्वास से जुड़ी होती है। तालाब सौंदर्यीकरण में भ्रष्टाचार और मुख्य मार्ग के अंधेरे जैसे गंभीर मुद्दों ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। नगरवासियों ने अब साफ रुख अख्तियार कर लिया है। उनका कहना है कि विकास केवल भाषणों या उद्घाटनों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसकी झलक हर नागरिक के दैनिक जीवन में दिखनी चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता सब कुछ देख रही है और आने वाले समय में वह विकास, पारदर्शिता और जनसेवा के आधार पर ही अपनी वोट की ताकत से इसका हिसाब करेगी।

छड डिस्ट्रिक्ट सेंटर हॉस्टल में पानी का संकट, मेडिकल छात्राओं ने लगाए गंभीर आरोप

पन्ना। जिले के ।छड डिस्ट्रिक्ट सेंटर हॉस्टल में रहने वाली मेडिकल छात्राएं इन दिनों भीषण पानी की समस्या से जूझ रही हैं। छात्राओं का आरोप है कि हॉस्टल में पिछले कुछ समय से पानी की आपूर्ति पूरी तरह बाधित है, जिससे उन्हें पीने, नहाने और दैनिक उपयोग के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। छात्राओं के अनुसार हॉस्टल में लगभग 34 छात्राएं निवास करती हैं, लेकिन बार-बार शिकायत करने के बावजूद हॉस्टल प्रबंधन उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे

रहा है। छात्राओं का आरोप है कि जब उन्होंने हॉस्टल प्रभारी 'पूर्णिमा वर्मा' से पानी की समस्या को लेकर शिकायत की, तो उनकी बात सुनने के बजाय उन्हें वहां से भगा दिया गया। छात्राओं ने बताया कि हॉस्टल परिसर से बाहर जाने पर भी पाबंदी है। ऐसे में वे न तो बाहर जाकर पानी की व्यवस्था कर सकती हैं और न ही अपनी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा कर पा रही हैं। उनका कहना है कि वे नारकीय परिस्थितियों में रहने को मजबूर हैं। जानकारी के अनुसार, पानी की समस्या हॉस्टल की 'मोटर खराब होने' के कारण उत्पन्न हुई है। छात्राओं का कहना है कि मोटर खराब होने के बावजूद हॉस्टल प्रबंधन द्वारा समय रहते उसका समाधान नहीं कराया गया, जिससे स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। छात्राओं ने जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि उनकी समस्या का तत्काल समाधान कराया जाए। यदि मोटर की मरम्मत या नई मोटर की व्यवस्था में समय लग रहा है, तो तब तक हॉस्टल में 'टैंकर के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जाए, ताकि छात्राओं को राहत मिल सके।

खबर संक्षेप

नगर पालिका कार्यालय में अधिवक्ता से कथित मारपीट, कर्मचारी पर अभद्रता का आरोप

छतरपुर। जिले की महाराजपुर नगर पालिका में एक अधिवक्ता के साथ कथित मारपीट और अभद्र व्यवहार का मामला सामने आया है। पीड़ित अधिवक्ता इकबाल मोहम्मद ने महाराजपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए नगर पालिका के कर्मचारी कमलेश उर्फ टीटू के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, वार्ड क्रमांक 13 निवासी एडवोकेट इकबाल मोहम्मद जाति प्रमाण पत्र पर रिपोर्ट लगवाने के लिए नगर पालिका कार्यालय पहुंचे थे। आरोप है कि इसी दौरान कर्मचारी कमलेश उर्फ टीटू ने उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया, गाली-गलौज की तथा कॉलर पकड़कर मारपीट की। अधिवक्ता का कहना है कि घटना से उन्हें मानसिक और सामाजिक रूप से ठेस पहुंची है।

पीड़ित के मुताबिक, घटना के तुरंत बाद उन्होंने इसकी जानकारी राजस्व निरीक्षक (आरआई) को दी, लेकिन मौके पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उनका आरोप है कि आरआई ने उन्हें शांत रहने के लिए कहा और बाद में भी मामले में कोई कदम नहीं उठाया। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि जिस चेंबर में घटना हुई, वहां मौजूद आरआई घटना के बाद वहां से चले गए। बताया जा रहा है कि घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसे जांच का महत्वपूर्ण साक्ष्य माना जा रहा है। महाराजपुर थाना पुलिस का कहना है कि शिकायत और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है तथा जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस सभी पक्षों के बयान दर्ज कर मामले की पड़ताल कर रही है।

जमीन विवाद में मारपीट के बाद दोनों पक्षों पर केस, पीड़ित ने एसपी से लगाई निष्पक्ष जांच की गुहार

छतरपुर। सटई थाना क्षेत्र के ग्राम नदगांय बट्टयन में जमीन विवाद को लेकर हुई मारपीट के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। एक पक्ष ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर आवेदन सौंपा और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। शिकायतकर्ता का आरोप है कि हमले का शिकार होने के बावजूद उनके खिलाफ झूठी एफआईआर दर्ज कर दी गई है।

आवेदन के अनुसार, 28 जून को जमीन विवाद के चलते गांव के कुछ लोगों ने कुल्हाड़ी और लाठियों से हमला कर दिया, जिससे शिकायतकर्ता के हाथ, सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। इस घटना के बाद थाना सटई पुलिस ने उनकी शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया था। शिकायतकर्ता का कहना है कि बाद में आरोपी पक्ष की एक महिला सदस्य ने उनके और परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ मारपीट की शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने उनके विरुद्ध भी एफआईआर दर्ज कर ली। उनका आरोप है कि यह शिकायत पूरी तरह झूठी और तथ्यों से परे है तथा उनके परिवार ने किसी प्रकार की मारपीट नहीं की।पीड़ित पक्ष ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, झूठी एफआईआर को निरस्त किया जाए तथा वास्तविक दोषियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। वहीं, पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है।

महामना एक्सप्रेस का समय बदलने का प्रस्ताव सवालों के घेरे में, सुविधा नहीं असुविधा का डर

महामना ट्रेन का समय बदलने पर मचा बवाल! यात्रियों ने पूछा-'सुविधा देंगे या बढ़ाएंगे

छतरपुर। खजुराहो से भोपाल के बीच संचालित होने वाली महामना ट्रेन का प्रस्तावित नया समय सामने आने के बाद बुंदेलखंड में विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार खटीक द्वारा यह जानकारी दिए जाने के बाद कि जनता की मांग पर रेलवे अधिकारियों से चर्चा कर ट्रेन का समय बदले जाने की प्रक्रिया चल रही है, अब आम यात्रियों का एक बड़ा वर्ग इस फैसले पर सवाल उठा रहा है।

प्रस्तावित समय के अनुसार महामना ट्रेन खजुराहो से सुबह 4:50 बजे रवाना होकर 11:20 बजे भोपाल पहुंचेगी, जबकि भोपाल से रात में 7:45 चलकर अगले दिन सुबह 3:50 बजे खजुराहो पहुंचेगी। यात्रियों का कहना है कि यह समय आम लोगों के लिए सुविधाजनक नहीं बल्कि परेशानी बढ़ाने वाला साबित होगा।

छतरपुर, पन्ना और टीकमगढ़ जिले के लोगों का कहना है कि इतनी सुबह ट्रेन पकड़ना ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों के लिए बेहद कठिन होगा। पन्ना से आने वाले यात्रियों को तो एक दिन पहले ही खजुराहो पहुंचना पड़ेगा। वहीं सर्दी, बरसात और कोहरे के मौसम में यह समय और भी अधिक परेशानी पैदा करेगा। यात्रियों का सुझाव है कि यदि समय परिवर्तन करना ही है तो ट्रेन देर रात खजुराहो से भोपाल और भोपाल से देर रात खजुराहो चलना चाहिए, ताकि सुबह भोपाल पहुंच सके और दिनभर वहीं खड़ी रहने के बाद रात में वापस खजुराहो के लिए चले। उनका मानना है कि यह समय नौकरीपेशा, मरीजों, विद्यार्थियों और सामान्य यात्रियों सभी के लिए अधिक उपयोगी रहेगा। यात्रियों ने यह आशंका भी जताई है कि महामना एक्सप्रेस का समय बदलने से गीता जयंती एक्सप्रेस और प्रयागराज–अंबेडकर नगर एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ सकता है। विशेष रूप से बागेश्वर धाम जाने वाले यात्रियों की संख्या अन्य ट्रेनों में बढ़ने से व्यवस्थाएं प्रभावित होने की संभावना है। इधर शहर और सोशल मीडिया पर यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि आखिर ऐसी कौन-सी जनमांग थी, जिसके आधार पर यह प्रस्ताव तैयार किया गया। कुछ लोग बस ऑपरेटरों के हितों को लेकर भी सवाल उठा रहे हैं, हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यात्रियों का कहना है कि यदि रेलवे को यात्रियों की सुविधा बढ़ानी है तो मौजूदा समय में बदलाव करने के बजाय भोपाल–खजुराहो के बीच एक अतिरिक्त ट्रेन चलाने का प्रस्ताव भेजा जाना चाहिए था। फिलहाल महामना ट्रैन के प्रस्तावित समय परिवर्तन को लेकर विरोध लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। लोगों का कहना है कि यदि निर्णय पर पुनर्विचार नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में आंदोलन की स्थिति भी बन सकती है। अब सभी की नजर रेलवे प्रशासन और केंद्रीय मंत्री के अगले कदम पर टिकी हुई है।

एसडीएम की समझाइश के बाद सटई में खत्म हुआ जाम, लापरवाही पर डॉक्टर का

सटई। नगर के वार्ड क्रमांक 14 निवासी राजकुमारी पटैल की आकाशीय बिजली गिरने से घायल होने के बाद समय पर उपचार नहीं मिलने से हुई मौत के विरोध में परिजनों और नगरवासियों का आक्रोश शनिवार को भी जारी रहा। शुक्रवार शाम घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सटई लाया गया था, लेकिन अस्पताल में ड्यूटी पर कोई डॉक्टर मौजूद नहीं मिला। उपचार में देरी होने के कारण परिजन महिला को निजी वाहन से जिला अस्पताल ले जा रहे थे, जहां रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना से नाराज परिजनों ने शुक्रवार शाम बस स्टैंड पर चक्काजाम कर दिया, जो पूरी रात जारी रहा। शनिवार सुबह नगर के व्यापारियों ने भी आंदोलन का समर्थन करते हुए अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। सूचना मिलते ही एसडीएम बिजावर विजय कुमार द्विवेदी, एसडीओपी अजय कुमार, तहसीलदार लक्ष्मी प्रसाद अहिरवार, नायब तहसीलदार इंद्र कुमार गौतम, थाना प्रभारी सुनीता बिंदुआ सहित तीन थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंचा।

प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांग थी कि ड्यूटी से अनुपस्थित डॉक्टर के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए तथा सटई अस्पताल में 24 घंटे चिकित्सक की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

मामले को गंभीरता से लेते हुए सीएमएचओ ने डॉ. अरुणेंद्र शुक्ला का तत्काल प्रभाव से सटई से बकस्वाहा तबादला करने के आदेश जारी किए। वहीं एसडीएम विजय कुमार द्विवेदी ने अस्पताल का निरीक्षण कर अनुपस्थित कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए तथा अस्पताल की अन्य व्यवस्थाओं में शीघ्र सुधार करने के लिए संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए।

एसडीएम की समझाइश और प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के बाद परिजन आंदोलन समाप्त करने पर सहमत हुए और बस स्टैंड से जाम हटा दिया गया। प्रशासन ने आश्वासन दिया कि भविष्य में सटई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 24 घंटे डॉक्टर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के 30वें जन्मोत्सव पर संकट मोचन मंदिर में गौशाला निर्माण का शुभारंभ

छतरपुर। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के 30वें जन्मोत्सव के अवसर पर शहर के संकट मोचन मंदिर में संकट मोचन समिति द्वारा प्रस्तावित गौशाला निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना कर उनकी दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं राष्ट्र सेवा के लिए विशेष प्रार्थना की गई। श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर जन्मोत्सव को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया।

संकट मोचन मंदिर के महंत राजीव लोचन दास महाराज ने कहा कि उन्हें रायपुर (छत्तीसगढ़) से होने पर गर्व है, वहीं छतरपुर के संकट मोचन मंदिर का महंत बनने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का जन्म छतरपुर जिले के ग्राम गढ़ा में हुआ और उनके जन्मोत्सव पर दिल्ली सहित छतरपुर के विभिन्न धार्मिक स्थलों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

संकट मोचन समिति के अध्यक्ष अभिलाष मिश्रा ने बताया कि पिछले वर्ष मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री संकट मोचन मंदिर पहुंचे थे। उसी समय उन्होंने प्रस्तावित गौशाला का भूमि पूजन किया था। उनके 30वें जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर अब गौशाला निर्माण कार्य का औपचारिक शुभारंभ किया गया है। समिति ने इसे गौसेवा, धार्मिक आस्था और समाज सेवा के संकल्प का प्रतीक बताया। इस अवसर पर समाजसेवी राजेंद्र अग्रवाल, राकेश तिवारी, अभिलाष मिश्रा, विनोद मिश्रा, सूरज राठौर, जितेंद्र निगम, विपिन गुप्ता, राम सहाय कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गौसंरक्षण एवं धार्मिक सेवा के प्रति लोगों को प्रेरित करने का संदेश भी दिया गया।

बागेश्वर महाराज के जन्मदिवस पर निकली भव्य शोभायात्रा, श्रद्धालुओं ने की पुष्प वर्षा, उतारी आरती

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के जन्मदिवस के अवसर पर श्री राम नाम प्रभातफेरी मंडल द्वारा शनिवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ शहर के पठापुर रोड स्थित श्री राम हर्षण राम जानकी मंदिर से हुआ। शोभायात्रा यहां से श्री हनुमान टौरिया मंदिर पहुंची और वापस श्री राम जानकी मंदिर में संपन्न हुई। शोभायात्रा के बाद मंदिर के महंत श्री पुरुषोत्तम दास महाराज के सानिध्य में सामूहिक श्री हनुमान चालीसा के पाठ हुए।जानकारी के मुताबिक सुबह 5 श्रद्धालुओं ने बागेश्वर महाराज के जन्मदिन के अवसर पर शोभायात्रा निकाली। यात्रा के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया तथा बागेश्वर महाराज के चित्र की आरती उतारकर उनकी दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं राष्ट्र-धर्म सेवा के लिए मंगलकामनाएं कीं।पूरे आयोजन में जय श्रीराम और हनुमान जी के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी, श्री राम नाम प्रभातफेरी मंडल के सदस्य तथा बागेश्वर परिवार के श्रद्धालु शामिल हुए।

पेड़ हटाने को लेकर दो पक्षों में खूनी विवाद, मारपीट में छह घायल

महाराजपुर। गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र के ग्राम पिड़पा में शुक्रवार शाम मेड़ पर गिरे पेड़ को हटाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। घटना में दोनों पक्षों के तीन-तीन लोग घायल हो गए। सभी घायलों को महाराजपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कर प्राथमिक उपचार कराया गया, जहां उनका मेडिकल परीक्षण (एमएलसी) भी किया गया। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार तेज आंधी, तूफान और बारिश के दौरान खेत की मेड़ पर खड़ा एक पेड़ गिरकर दूसरे भाई की जमीन पर बने तीन टप्परों पर जा गिरा। टप्परों के नीचे बंधे मवेशी भी पेड़ के नीचे दब गए। बताया गया कि पेड़ को काटकर हटाने की बात पहले ही तय हुई थी, लेकिन समय पर पेड़ नहीं हटाए जाने से मवेशियों वाले पक्ष के लोग दूसरे भाई के खेत पर पहुंच गए।पेड़ हटाने को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। ग्रामीणों का कहना है कि जमीन के बंटवारे के बाद से दोनों भाइयों के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा था, जिसके चलते मामूली बात ने हिंसक रूप ले लिया। घटना में दोनों पक्षों के कुल छह लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

खेत की बुवाई के दौरान एक दर्जन लोगों ने परिवार पर किया हमला, तीन घायल जिला अस्पताल रेफर

छतरपुर। जिले के बमनोरा थाना क्षेत्र के ग्राम मवई में खेत की बुवाई के दौरान हुए विवाद में एक परिवार के तीन लोग घायल हो गए। घायलों का आरोप है कि गांव के ही एक दर्जन से अधिक लोगों ने लाठी-डंडों और कुल्हाड़ी से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद सभी घायलों को पहले बमनोरा अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल छतरपुर रेफर कर दिया गया।घायल चंदू खंगार (60) पिता थुबना, रामप्रसाद खंगार (45) पिता चंदू एवं रेखा खंगार (30) पति रामप्रसाद, निवासी ग्राम मवई ने बताया कि वे शुक्रवार दोपहर

करीब 4 बजे अपने खेत में बुवाई का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान गांव के मठू खंगार, हल्लू, बृजलाल, दिस्सन, पूरन, हरिशंकर सहित उनके परिवार के एक दर्जन से अधिक लोग वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों एवं कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे तीनों घायल हो गए। घायलों का यह भी आरोप है कि घटना के समय मौके पर डायल-112 पुलिस मौजूद थी, लेकिन पुलिसकर्मियों ने मारपीट रोकने का प्रयास नहीं किया। घटना के बाद घायल अपने निजी वाहन से बमनोरा थाने पहुंचे, जहां उन्होंने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने घायलों का मेडिकल परीक्षण बमनोरा अस्पताल में कराया। चिकित्सकों ने गंभीर चोटों के चलते तीनों को जिला अस्पताल छतरपुर रेफर कर दिया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दूसरी शादी के बाद बच्चों को लेकर विवाद एसपी ऑफिस में हाई वोल्टेज ड्रामा

छतरपुर। शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक पारिवारिक विवाद उस समय हाईवोल्टेज ड्रामे में बदल गया, जब दूसरी शादी करने का दावा करने वाली एक महिला अपने पति के साथ सुरक्षा की मांग लेकर एसपी कार्यालय पहुंची। महिला ने आरोप लगाया कि उसने 28 जून 2026 को कदारी निवासी करन अहिरवार से कोर्ट मैरिज के बाद रीति-रिवाज से विवाह किया है। इसके बाद से मायके पक्ष के लोग लगातार जान से मारने की धमकी देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। महिला ने एसपी को आवेदन देकर सुरक्षा उपलब्ध कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

महिला ने अपने आवेदन में बताया कि उसकी बड़ी बहन अपने दो बच्चों को छोड़कर चली गई थी, जिनकी देखभाल परिवार के साथ उसने भी की। अब उसकी बहन, मां और अन्य परिजन उन बच्चों को उसका बताकर जबरन जिम्मेदारी सौंपने का दबाव बना रहे हैं। महिला का आरोप है कि 2 जुलाई को परिजन एक बच्ची को उसके घर छोड़ गए और उसे उसकी बेटी बताते हुए चले गए।वहीं, महिला के मायके पक्ष ने एसपी कार्यालय पहुंचकर महिला के आरोपों को निराधार बताया। महिला की बहन गीता अहिरवार ने दावा किया कि सोनिया पहले से शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। उनका कहना है कि सोनिया अप्रैल माह में घर छोड़कर चली गई थी और बाद में इंस्टाग्राम के माध्यम से उसकी दूसरी शादी की जानकारी मिली। परिजनों ने आरोप लगाया कि महिला अब अपने बच्चों को अपनाने से इनकार कर रही है।दोनों पक्षों के आमने-सामने आने से एसपी कार्यालय परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। इसी दौरान मायके पक्ष के साथ मौजूद महिला की नानी ने कथित रूप से बच्चों की ओर पत्थर फेंकने का प्रयास किया, जिसे मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल रोक दिया। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाइश देकर सिविल लाइन थाना भेज दिया। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के आवेदन प्राप्त हो गए हैं और मामले की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पहली बारिश में बहा लाखों का नाला, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

हरपालपुर। नगर के वार्ड क्रमांक 12 स्थित सत्तन तलैया कब्रिस्तान के पास हाल ही में लाखों रुपये की लागत से निर्मित नाला पहली ही बारिश में क्षतिग्रस्त हो गया। सीजन की पहली बारिश में ही नाले के बह जाने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं।

स्थानीय वार्डवासियों ने आरोप लगाया कि निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया और कार्य में गंभीर अनियमितताएं बरती गईं, जिसके कारण सामान्य बारिश का दबाव भी नाला नहीं झेल सका।स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण के दौरान सीमेंट और रेत के अनुपात में लापरवाही बरती गई, जिससे नाला कमजोर साबित हुआ। घटना के बाद नागरिकों ने पूरे निर्माण कार्य की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।मामले की जानकारी मिलते ही वार्ड पार्षद दिव्यज्योति विश्वकर्मा ने सीएमओ)को शिकायत सौंपते हुए निर्माण कार्य की जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि दोषी ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए तथा नाले का पुनर्निर्माण गुणवत्तापूर्ण तरीके से कराया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने।वहीं, सीएमओ शैलेन्द्र सिंह चौहान ने वार्डवासियों के आरोपों से अलग पक्ष रखते हुए कहा कि नाला घटिया निर्माण के कारण नहीं बहा है। उनके अनुसार, नाले को स्वीकृत नक्शे के विपरीत दिशा में बना दिया गया था। जो पानी तलैया की ओर जाना था, उसे सीधे निकाल दिया गया, इसलिए नगर परिषद के इंजीनियर ने जेसीबी से गलत बने हिस्से को स्वयं तुड़वाया है। उन्होंने कहा कि पार्षद द्वारा मांगी गई जांच के संबंध में नगर परिषद अपना लिखित पक्ष भी प्रस्तुत करेगी। फिलहाल मामले को लेकर नगर में चर्चा का माहौल है और लोगों की नजर प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई है।

खबर संक्षेप

सीमेंट प्लांट में 25 फीट ऊंचाई से गिरा श्रमिक हालत गंभीर

रीवा। जिले के नौबस्ता स्थित डालमिया सीमेंट प्लांट में शनिवार सुबह काम के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। करीब 25 वर्षों से प्लांट में कार्यरत श्रमिक 25 फीट ऊंचाई से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उसे संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय से जबलपुर रेफर कर दिया। घटना के बाद परिजनों ने कंपनी प्रबंधन पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी और लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं। जानकारी के अनुसार, घायल श्रमिक अनिल सोनी, निवासी ग्राम नादन, जिला मैहर, शनिवार सुबह करीब 9 बजे प्लांट के भीतर ऊंचाई पर लगी लोहे की प्लेट पर चढ़कर काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक प्लेट टूट गई और वह करीब 25 फीट नीचे गिर गया। हादसे में उसे गंभीर चोटें आईं। साथ में काम कर रहे श्रमिकों ने तत्काल उसे उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर कर दिया। घायल के परिजन राजेश सिंह का आरोप है कि कंपनी प्रबंधन श्रमिकों से लगातार दबाव में काम कराता है। उन्होंने कहा कि जिस लोहे की प्लेट पर अनिल सोनी कार्य कर रहा था, वह पहले से जर्जर थी। इसकी जानकारी होने के बावजूद उसे बदला नहीं गया और उसी पर काम कराया जाता रहा, जिसके चलते यह हादसा हुआ। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वही पूरे मामले में डालमिया सीमेंट रीवा प्रबंधक का कहना है कि सुबह कंपनी में संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) पर कार्यरत कर्मचारी अनिल सोनी संयंत्र के रॉ मिल यूनिट-1 में हुई एक घटना में घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए एम्बुलेंस से कंपनी के अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों की सलाह पर उन्हें उन्नत उपचार के लिए जबलपुर के अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनका उपचार प्रारम्भ हो चुका है तथा वर्तमान में उनकी स्थिति स्थिर है। कंपनी इस पूरे मामले पर लगातार नजर बनाए हुए है और घायल कर्मचारी तथा उनके परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध करा रही है। साथ ही उनके इलाज और जल्द स्वस्थ होने के लिए आवश्यक सभी कदम उठाए जा रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री ने समूह नलजल योजनाओं के इंटेक वेल का किया निरीक्षण

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मैहर जिले के रामनगर ब्लॉक में ग्राम झिन्ना में जल जीवन मिशन की दो समूह नलजल योजनाओं के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री ने रीवा बाणसागर और सीधी बाणसागर समूह नलजल योजना के तहत बनाए जा रहे इंटेक वेल तथा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा हर गांव और हर घर में नल से स्वच्छ जल पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना को जल जीवन मिशन द्वारा मूर्त रूप दिया जा रहा है। समूह नलजल योजनाओं के निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूरे कराकर आमजनता को पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करें।

उच्च शिक्षा मंत्री ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का किया अनावरण

देश को विश्व गुरू बनाने का सपना नई शिक्षा नीति साकार करेगी - उच्च शिक्षा मंत्री

रीवा। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा तथा आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय परिसर में स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा का अनावरण किया। उच्च शिक्षा मंत्री ने पौधे रोपित करके पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित विचार संगोष्ठी में उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार और दर्शन आज के युवाओं के लिए भी प्रेरणा के स्त्रोत हैं। उन्होंने सनातन, ज्ञान और धर्म की ध्वजा को पश्चिम के देशों में जाकर सफलतापूर्वक लहराया। स्वामी विवेकानंद के विचार भारतीय ज्ञान परंपरा के ध्वजवाहक हैं।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2047 तक देश को विश्वगुरू बनाने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री की पहल और प्रेरणा से सनातन परंपरा, भारतीय दर्शन और परंपरागत कौशल को समाहित करते हुए नई शिक्षा नीति का निर्माण किया गया है। मध्यप्रदेश में इसे प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। प्रधानमंत्री के देश को विश्वगुरू बनाने का सपना नई शिक्षा नीति साकार करेगी। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि भारत में हजारों साल से ज्ञान, विज्ञान, कला, साहित्य और धर्म का अपरिमित उत्कर्ष था। अंग्रेजों की शिक्षा प्रणाली ने हमारी सनातन हमारी शिक्षा पद्धति को नष्ट कर दिया। भारत पर प्राचीन काल से ही लगातार आक्रमण हुए। ये सभी आक्रमण देश के वैभव, संपन्नता और प्रचुर सम्पत्ति को लूटने के लिए हुए। देश पर आक्रमण करने वाले सिकंदर जैसे आक्रांताओं को महान कहने का इतिहास पढ़ाया गया, लेकिन देश के प्राचीन गौरव को भुला दिया गया। हमारी वसुधैव कुटुम्बकम की परंपरा को स्वामी विवेकानंद ने विश्वभर में स्थापित किया। कार्यक्रम में विचारक श्री चेतस सुखाड़िया ने कहा कि चार जुलाई 1902 को मात्र 39 वर्ष की आयु में स्वामी

विवेकानंद जी परमात्मा के पास चले गए, लेकिन उनके विचार आज भी पूरी दुनिया को प्रेरित कर रहे हैं। जब देश राजनैतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से पराधीन था तब स्वामी जी ने अमेरिका में जाकर भारतीय ज्ञान और दर्शन का ध्वज लहराया। उनके विचारों से प्रेरणा लेकर लाखों युवाओं ने देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। स्वामी विवेकानंद के विचार ऐसे सूर्य हैं जो कभी अस्त नहीं होते हैं। स्वामी जी ने धर्म और ज्ञान को सामाजिक परिवर्तन और देश को जागृत करने का साधन बनाया। डॉ. अजय तिवारी ने भी कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में विधायक मनगवां नरेन्द्र प्रजापति, भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता, कुलसचिव सुश्री नीरजा नामदेव तथा प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उच्च शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में इंजीनियरिंग कालेज की संचालक मण्डल की बैठक संपन्न

शासकीय इंजीनियरिंग कालेज रीवा में संचालक मण्डल तथा सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा तथा आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि रीवा इंजीनियरिंग कालेज का गौरवशाली इतिहास है। इसे तकनीकी शिक्षा का उत्कृष्ट केन्द्र बनाएं। विद्यार्थियों को रोजगार के अच्छे अवसर देने वाले तथा आधुनिक तकनीक से जुड़े पाठ्यक्रमों को शुरू करें। कालेज में 5 नए स्नातक कोर्स तथा 9 पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दी जा रही है। कालेज में पीएचडी की सुविधा के लिए फीस निर्धारण तथा अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। बैठक में कालेज के प्राचार्य तथा सदस्य सचिव डॉ. आरपी तिवारी ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। बैठक में कालेज के पूर्व छात्रों, उद्योगपतियों तथा इंजीनियरिंग कालेज के सहयोग से स्थापित होने वाले ट्रिपल आई सेंटर की स्थापना को मंजूरी दी गई। बैठक में भवन सुधार एवं अन्य निर्माण कार्यों के लिए 78.23 लाख रुपए तथा उपकरणों एवं फर्नीचर की खरीदी के लिए 82.36 लाख रुपए के व्यय को मंजूरी दी गई। बैठक में सीएम संकल्प योजना के तहत कोडिंग लैब में प्रशिक्षण के संबंध में व्यय तथा संस्था के शिक्षकों को कॅरियर संवर्धन योजना का लाभ देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई।

आयुष मंत्री की अध्यक्षता में आयुर्वेद कालेज की बैठक संपन्न

शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय की सामान्य सभा की बैठक कालेज के सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा तथा आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि सामान्य सभा की बैठक समय पर आयोजित करें। स्वशासी महाविद्यालय का वित्तीय प्रबंधन और प्रशासनिक प्रबंधन शासन के मापदण्डों के अनुसार करें। वर्ष 2026-27 में विभिन्न मदों में व्ययक की जाने वाली राशि के प्रस्ताव पहले कार्यकारिणी समिति से अनुमोदन कराने के बाद सामान्य सभा में प्रस्तुत करें। मंत्री परमार ने कहा कि विन्ध्य में आयुष औषधियों का भण्डार है। आयुर्वेद कालेज और अस्पताल को निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर करें। नए कालेज भवन निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजें। वर्तमान में जारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। कालेज के विकास से जुड़े प्रस्ताव तैयार करते समय उसमें सभी प्रावधानों को शामिल करें। कालेज के रिक्त पदों की पूर्ति की जाएगी। बैठक में कालेज के प्राचार्य दीपक कुलश्रेष्ठ ने बताया कि कालेज की स्थापना 1973 में की गई थी। इसका संचालन स्वशासी रूप में किया जा रहा है। इसमें प्रतिदिन लगभग दो सौ बाह्य रोगियों का उपचार किया जाता है। भारत सरकार से अनुदान प्राप्त दो रिसर्च प्रोजेक्ट वर्तमान में जारी हैं। कालेज में चार पीजी कोर्स शुरू करने तथा पीएचडी के लिए प्रस्ताव तैयार किए गए हैं।

राज्य कर्मचारी संघ ने नियम विरुद्ध तबादलों पर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

11 जुलाई से अनिश्चितकालीन आंदोलन की चेतावनी

रीवा। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी से मुलाकात कर संघ के पदाधिकारियों के कथित नियम विरुद्ध किए गए स्थानांतरण निरस्त करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर स्थानांतरण आदेश वापस नहीं लिए गए तो 11 जुलाई से जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय का घेराव कर अनिश्चितकालीन धरना, प्रदर्शन और आंदोलन शुरू किया जाएगा।प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को बताया कि सामान्य प्रशासन विभाग, वल्लभ भवन, भोपाल द्वारा 22 मई 2026 को जारी स्थानांतरण नीति-2026 की कंडिका-35 में स्पष्ट प्रावधान है कि मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों के अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष को दो पदावधि अर्थात चार वर्ष तक स्थानांतरण से छूट प्रदान की गई है। इसके बावजूद संघ के कई पदाधिकारियों के जिला स्तर पर तथा जिले के बाहर स्थानांतरण किए गए हैं, जो शासन की स्थानांतरण नीति और निर्धारित दिशा-निर्देशों के विपरीत बताए गए।

संघ पदाधिकारियों का आरोप है कि स्थानांतरण नीति की समय-सीमा समाप्त होने के बाद भी स्थानांतरण आदेश जारी किए गए, जिससे कर्मचारियों में व्यापक असंतोष है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते आदेश निरस्त नहीं किए गए तो कर्मचारी लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन करने को विवश होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि कर्मचारियों द्वारा उठाई गई समस्याओं का गंभीरता से परीक्षण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि 22 मई 2026 की स्थानांतरण नीति के विरुद्ध यदि कोई आदेश जारी हुए हैं और वे प्रशासन के संज्ञान में लाए गए हैं, तो नियमानुसार उनकी समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए निरस्तीकरण की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश संयुक्त महामंत्री डॉ. कृष्ण राज सिंह, संभागीय उपाध्यक्ष डॉ. गौरव सक्सेना, संभागीय सचिव डॉ. गोविन्द नारायण श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष राम नारायण श्रीवास्तव, जिला सचिव डॉ. अरविन्द भारती सहित मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।यदि मांगों पर समयबद्ध कार्रवाई नहीं हुई, तो 11 जुलाई को प्रस्तावित कलेक्ट्रेट घेराव और अनिश्चितकालीन आंदोलन जिले में बड़ा कर्मचारी आंदोलन बन सकता है।

लोक शिक्षण संचालनालय के तुगलकी फरमान से हजारों अतिथि शिक्षकों का पुनः कार्य भार ग्रहण नहीं हो रहा: नारी चेतना मंच

रीवा। नारी चेतना मंच एवं समता सम्पर्क अभियान ने इस बात पर आक्रोश व्यक्त किया है कि लंबे समय से शासकीय विद्यालयों में अतिथि शिक्षक के रूप में अध्यापन कार्य कर रहे हजारों शिक्षकों को लोक शिक्षण संचालनालय के द्वारा नए नियमों का हवाला देकर संबंधित पद पर पुनःकार्यभार ग्रहण से वंचित रखा जा रहा है। लोक शिक्षण संचालानालय के नए निर्देशानुसार पिछले शैक्षणिक सत्र में अध्यापन कार्य में 90% से कम उपस्थिति होने पर अतिथि शिक्षकों को मौजूदा शैक्षणिक सत्र 2026- 27 में नियुक्ति नहीं दी जा रही है। अतिथि शिक्षक लंबे समय से अध्यापन कार्य कर रहे हैं लेकिन पर्याप्त योग्यता रखने के बाद भी उन्हें अभाव का जीवन जीने को विवश होना पड़ रहा है। काम अधिक लेकिन मानदेय बहुत कम है। कभी भी हटाया जा सकता है। समान कार्य पर समान वेतन नहीं मिल रहा है। अतिथि शिक्षकों के द्वारा शैक्षणिक कार्य को पूर्ण निष्ठा समर्पण लगन मेहनत और ईमानदारी से पूरा करने में कोई कसर नहीं रखी जाती है। संबंधित विषय में कक्षा के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम शैक्षणिक सत्र 2025-26 में 100% होने के बावजूद 90% से कम उपस्थिति के चलते उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है।

सिंगरौली जिले में आबकारी विभाग की अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही

सिंगरौली। कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देशन मे एवं जिला आबकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में वृत्त सरई के अंतर्गत अवैध शराब के संग्रहण एवं विक्रय की सूचना मिलने पर कार्यवाही की गई जिसका विवरण निम्नानुसार है कार्यवाही के दौरान ग्राम भरसेडी में दबिश के दौरान आरोपी रामनरेश यादव पिता बीरान के किराना दुकान व रिहायशी मकान की विधिवत तलाशी लिए जाने पर 42 नग देशी मदिरा प्लेन (धरिता 180 ml) , 08 नग किंगफिशर बीयर केन (धारिता 500 ml) , 07 नग बोल्ट बोतल बीयर (धरिता 650 ml) मात्रा 16.11 बल्क लीटर कीमत 5972/- मदिरा बरामद किया गया व ग्राम पापल व बंजारी में आरोपिया सोना जायसवाल पति कपिल मुनि जायसवाल व मुकेश भुंजवा पिता परिवर भुंजवा के किराना दुकानों से कुल 52 नग देशी मदिरा प्लेन (धारिता 180 ml), कुल मात्रा 9.36 बल्क लीटर कीमत 3952/- बरामद किया जाकर आरोपियों के विरुद्ध म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 संशोधन(2000) की धारा 34 (1)(क) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। जप्त सामग्री का अनुमानित मूल्य लगभग 9924/- रुपये हैं। कार्यवाही के दौरान वृत्त प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक श्रीमती श्वेता सिंह आबकारी आरक्षक बहादुर सिंह , धीरू सिंह, अनुज भुजिया, रितिका चौकसे उपस्थित रहे।

सिरमौर चौराहे पर एसी के आउटर चुराने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

रीवा। शहर के सिरमौर चौराहा क्षेत्र में दुकानों से एसी के आउटर चोरी करने वाले गिरोह का अमहिया पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गए एसी के कंप्रेसर, फैन मोटर, पीसीवी मशीन, पंखे सहित करीब तीन लाख रुपये कीमत का सामान बरामद किया है। चोरी की वारदात को अंजाम देने में प्रयुक्त ई-रिक्शा भी जब्त कर लिया गया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि वार्ड क्रमांक-6 झिरिया निवासी सोधिया रैकवार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि सिरमौर चौराहा स्थित उनकी शिखा ब्राइडल स्टूडियो नामक दुकान से एसी का आउटर चोरी हो गया है।

नईगढ़ी में अतिक्रमण से यातायात व्यवस्था प्रभावित

मऊगंज। जिले के नईगढ़ी नगर परिषद का मुख्य बाजार और थाना, जनपद पंचायत एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने का मार्ग इन दिनों गंभीर यातायात समस्या से जूझ रहा है। यहां प्रतिदिन लगने वाले जाम के पीछे केवल बस और ऑटो की अव्यवस्थित पार्किंग ही नहीं, बल्कि सड़क किनारे बढ़ता अतिक्रमण भी एक बड़ा कारण बन गया है। सड़क पर वाहनों के खड़े होने और दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण के कारण आम लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है।

नगर के सबसे व्यस्त मार्ग पर थाना, जनपद पंचायत, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के कार्यालय स्थित हैं। प्रतिदिन सैकड़ों लोग शासकीय कार्यों और उपचार के लिए यहां पहुंचते हैं। लेकिन सड़क पर बसों और ऑटो द्वारा सवारी भरने तथा दुकानदारों द्वारा सड़क तक सामान फैलाने से हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है।

स्थानीय लोगों के अनुसार फल-सब्जी विक्रेताओं, किराना, हार्डवेयर तथा अन्य व्यापारियों ने अपनी दुकानों का सामान सड़क तक फैला रखा है। कई दुकानदारों ने दुकान के सामने स्थायी शेड (टिन शेड) का निर्माण कर लिया है, जिससे सड़क की चौड़ाई और कम हो गई है। नालियों के ऊपर भी अतिक्रमण कर निर्माण कर लिया गया है। कई स्थानों पर नालियां पूरी तरह बंद हो चुकी हैं, जिससे बरसात के दिनों में जलभराव की समस्या भी बढ़ने की आशंका है। सड़क संकरी होने के कारण जब बसें और ऑटो सड़क पर खड़े होकर सवारी भरते हैं, तो दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। इससे पुलिस वाहन, एंबुलेंस, जनपद पंचायत के अधिकारियों और कर्मचारियों के वाहन भी जाम में फंस जाते हैं। अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों और उनके परिजनों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ती है। नगरवासियों का कहना है कि यह समस्या वर्षों से बनी हुई है, लेकिन अब तक अतिक्रमण हटाने और यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए कोई ठोस अभियान नहीं चलाया गया। लोगों का मानना है कि जब तक सड़क से अतिक्रमण नहीं हटाया जाएगा और बसों तथा ऑटो के लिए अलग स्टैंड की व्यवस्था नहीं होगी, तब तक जाम की समस्या का समाधान संभव नहीं है।

नगरवासियों की प्रमुख मांगें:

मुख्य मार्ग से सड़क पर किए गए अतिक्रमण को हटाया जाए। बस और ऑटो के लिए अलग स्टैंड निर्धारित किया जाए। सड़क पर अवैध पार्किंग और सवारी भरने पर सख्त कार्रवाई हो। नालियों पर किए गए अतिक्रमण हटाकर जल निकासी की व्यवस्था सुधारी जाए। व्यस्त समय में यातायात पुलिस की नियमित तैनाती की जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन ने समय रहते इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया, तो भविष्य में जाम और अतिक्रमण के कारण किसी बड़े हादसे से भी इंकार नहीं किया जा सकता।

जनपद पंचायत के अधिकारी, सरपंच एवं सचिवों ने लिया नशा मुक्त भारत, नशा मुक्त मऊगंज का सामूहिक संकल्प

मऊगंज। ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्व विद्यालय, रीवा के मार्गदर्शन एवं ब्रह्माकुमारीज़ उप सेवा केंद्र मऊगंज द्वारा जनपद पंचायत मऊगंज सभागार में ₹प्राकृतिक एवं शाश्वत योगिक खेती एवं सकारात्मक विचारों का प्रयोग₹ विषय पर विशाल आध्यात्मिक प्रेरणा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत से जुड़े सभी अधिकारी, कर्मचारी, सरपंच, सचिव एवं जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परमानंद तिवारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी रहे। इस अवसर पर गंगा प्रसाद द्विवेदी (बीपीओ), श्रीमती सुमन अग्निहोत्री (बीसीएडब्ल्यूएएस), नवीन कुमार पांडे (एडीपीईओ) सहित जनपद पंचायत के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।मुख्य वक्ता माउंट आबू से पधारे राजयोगी बीके राजू भाई ने प्राकृतिक एवं शाश्वत योगिक खेती, सकारात्मक एवं तनावमुक्त जीवन तथा नशामुक्ति के विषय पर अपने प्रेरणादायी एवं सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के विचार ही उसके जीवन की दिशा निर्धारित करते हैं। सकारात्मक सोच, परमात्मा की स्मृति और राजयोग मेडिटेशन से मन शक्तिशाली बनता है तथा तनाव, भय और नकारात्मकता स्वतः समाप्त होने लगती है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक एवं योगिक खेती न केवल भूमि की उर्वरता बढ़ाती है, बल्कि किसानों, समाज और पर्यावरण के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने सभी से नशामुक्त जीवन अपनाकर स्वस्थ, सुखी और संस्कारित समाज के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया।मुख्य अतिथि परमानंद तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि प्राकृतिक एवं शाश्वत योगिक खेती समय की आवश्यकता है। इससे भूमि की उर्वरता, पर्यावरण संरक्षण तथा किसानों के स्वास्थ्य और आर्थिक समृद्धि को नई दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच, तनावमुक्त जीवनशैली और आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाकर

व्यक्ति अपने कर्तव्यों का श्रेष्ठ ढंग से निर्वहन कर सकता है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा संचालित राजयोग मेडिटेशन, नशामुक्ति एवं मूल्यनिष्ठ जीवन के अभियान की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।ब्रह्माकुमारीज़ रीवा सेवा केंद्र के संयोजक बीके प्रकाश भाई ने अपने संबोधन में कहा कि श्रेष्ठ विचार, श्रेष्ठ संस्कार और परमात्मा की याद ही जीवन की सबसे बड़ी शक्ति हैं। राजयोग मेडिटेशन व्यक्ति को आत्मबल, आत्मविश्वास, शांति और सकारात्मकता प्रदान करता है, जिससे वह हर परिस्थिति में संतुलित रहकर श्रेष्ठ निर्णय ले सकता है।

कार्यक्रम के अंत मे बीके खुशबू बहन ने सभी उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, सरपंचों एवं सचिवों को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया, जिससे सभी ने आत्मशांति, मानसिक एकाग्रता एवं सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव किया।ब्रह्माकुमारीज़ उप सेवा केंद्र मऊगंज की प्रभारी बीके पूर्णिमा बहन ने कार्यक्रम का प्रभावी एवं प्रेरणादायी संचालन किया। उन्होंने विभिन्न रोचक गतिविधियों (एक्टिविटी) एवं सहभागितापूर्ण अभ्यासों के माध्यम से सकारात्मक सोच, टीम भावना, आत्मविश्वास तथा आध्यात्मिक मूल्यों का सहज एवं व्यावहारिक अनुभव कराया, जिससे पूरा सभागार उत्साह, आनंद और सकारात्मक ऊर्जा से भर गया।कार्यक्रम के दौरान बीके सुभाष भाई ने ₹दुआओं की शक्ति₹ विषय पर सारगर्भित एवं प्रेरणादायी विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि सच्चे मन से दी गई दुआएँ जीवन को सुख, शांति, सफलता और सकारात्मक ऊर्जा से भर देती हैं। उन्होंने सभी को हर परिस्थिति में शुभभावनाएँ और शुभकामनाएँ देने का संदेश दिया तथा अपनी सहज एवं उत्साहवर्धक शैली से पूरे वातावरण को आनंदमय बना दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी अधिकारी, कर्मचारी, सरपंच, सचिव एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने एक साथ खड़े होकर ₹नशामुक्त भारत–नशामुक्त मऊगंज₹ का सामूहिक संकल्प लिया। सभी ने स्वयं नशामुक्त रहने, अपने परिवार को नशामुक्त बनाने तथा समाज में नशामुक्ति का व्यापक जनजागरण करने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन विश्व शांति एवं समस्त मानवता के कल्याण की मंगलकामनाओं के साथ हुआ।